उसका भविष्य उसी के हाथ में है। अगर वह फिट रहता है और इस गति से गेंदबाजी करता है, तो मुझे यकीन है कि वह लंबे समय तक राष्ट्रीय टीम के साथ रहेगा।

- सौरव गांगुली

बीसीसीआई अध्यक्ष, नये उभरते गेंदबाज उमरान मलिक के बारे में।

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक स्वर्ण पदकधारी भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा तुर्की से अपना 'ट्रेनिंग बेस' (अभ्यास की जगह) फिनलैंड में करेंगे जो पावो नुर्मी खेलों की मेजबानी करेगा जिसमें वह 14 जून को जोहानेस वेटर के सामने होंगे। नीरज अभी तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में ट्रेनिंग कर रहे हैं। 24 साल का यह भारतीय एथलीट 22 जून तक फिनलैंड के कुओरताने ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास के लिये गुरूवार को रवाना होगा। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा कि "चार हफ्ते के ट्रेनिंग सत्र को सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) द्वारा मंजूरी दी गयी है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

पाटीदार के शतक से बेंगलुरु दूसरे क्वालीफायर में, राजस्थान से मुकाबला

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बैंग्लुरु	रन	गेंद	4	6
कोहली का मोहसिन बो आवेश	25	24	2	0
डू प्लेसिस का डीकॉक बो मोहसिन	0	1	0	0
पाटीदार नाबाद	112	54	12	7
मैक्सवेल का लेविस बो कुणाल	9	10	0	1
लोमरोर का राहुल बो रवि	14	9	2	0
कार्तिक नाबाद	37	23	0	1
अतिरिक्त :	10			

कुल : 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन

विकेट पतन : 1-4, 2-70, 3-86, 4-115

गेंदबाजी : मोहसिन 4-0-25-1, चमीरा 4-0-54-0, क्रुणाल 4-0-39-1, आवेश 4-0-44-1, रवि 4-0-45-1

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
डी कॉक का डू प्लेसिस बो सिराज	6	5	0	1
नहुल का शाहबाज बो हैजलवुड	79	58	3	6
वोहरा का शाहबाज बो बैजलवुड	19	1	1	2
हूडा का हसरंगा	45	26	1	4
स्टॉयनिस का रजत बो हर्षल	9	9	0	1
लुईस नाबाद	2	6	0	0
क्रुणाल का और बो हैजलवुड	0	1	0	0
चमीरा नाबाद	11	4	1	1
अतिरिक्त :	22			

कुल : 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन

विकेट पतन : 1-8, 2-41, 3-137, 4-173, 5-180, 6-180

गेंदबाजी : सिराज 4-0-41-1, हेजलवुड 4-0-43-0, शाहबाज 4-0-35-0, हसरंगा 4-0-42-1, हर्षल 4-0-25-1

कोलकाता, 25 मई। रजत पाटीदार (नाबाद 112) के शानदार शतक और उनकी दिनेश कार्तिक (नाबाद 37) के साथ 92 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को बुधवार को 14 रन की जीत से एलिमिनेट कर आईपीएल के 27 मई को होने वाले दूसरे क्वालीफायर में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला पहले क्वालीफायर में हारने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स से अहमदाबाद में होगा।

बेंगलुरु ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 207 रन का विशाल स्कोर बनाया और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ को छह विकेट पर 193 रन पर थाम लिया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पाटीदार ने कप्तान फाफ डू प्लेसिस के शून्य पर पहले ओवर में आउट होने के बाद मैदान में उतरते हुए पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी की और अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पाटीदार ने 54 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 12 चौके और सात छक्के लगाए। कार्तिक ने 23 गेंदों पर नाबाद 37 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

पाटीदार इस सीज़न में दूसरे विकल्प के तौर पर प्लेइंग इलेवन में शामिल हुए थे, लेकिन इस पारी में उन्होंने किसी भी परिपक्व बल्लेबाज़ की तरह बल्लेबाज़ी करते रहे और पारी के अंत में अविजित ही पवेलियन की ओर गए। लखनऊ के फील्डर द्वारा दिए जीवनदानों और पाटीदार के शतक ने बेंगलुरु को एक बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। मोहसिन के अलावा तमाम गेंदबाज़ काफ़ी महंगे साबित हुए। विराट कोहली ने 24 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली । उनके आउट होने के बाद ग्लेन मैक्सवेल नौ और महिपाल लोमरोर 14 रन बनाकर आउट हुए। लेकिन इसके बाद बेंगलुरु ने जो गति पकड़ी तो वह 207 रन पर जाकर ही थमी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल ने एक छोर से पारी को संभाले रखा लेकिन जब निर्णायक ओवरों में पारी को गति देने की जरूरत थी तब वह टीम के 180 के स्कोर पर जोश हेजलवुड का शिकार बन गए। राहुल ने 58 गेंदों पर 79 रन में तीन चौके और पांच छक्के लगाए।

दीपक हुड्डा ने 26 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 45 रन, मनन वोहरा ने 11 गेंदों में 19 रन और मार्कस स्टॉयनिस ने नौ रन बनाये। दुष्मंता चमीरा 11 रन बनाकर नाबाद रहे। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाने के बाद, 18 अंक हासिल करने के बावजूद लखनऊ नेट रन रेट के लिहाज़ से राजस्थान से पिछड़ गई। इसके बाद प्लेऑफ़ के एलिमिनेटर मुक़ाबले में उन्हें बेंगलुरु से हार झेलनी पड़ी। कप्तान केएल राहुल ने टॉस के दौरान जेसन होल्डर को प्लेइंग इलेवन में जगह न देने को लेकर कहा था कि टीम होल्डर का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही है, आज शायद लखनऊ को होल्डर की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी।

मैच के बाद राहुल ने कहा,यह काफी स्पष्ट कारण है कि हम मैच क्यों नहीं जीत पाए। हमने फील्ड में काफ़ी निराशाजनक प्रदर्शन किया। पाटीदार के शतक ने इस मैच में सबसे बड़ा फ़र्क़ डाला है। जब ऊपर से कोई खिलाड़ी अच्छी पारी खेलता है, तो टीम जीत जाती है। यह एक नई फ्रेंचाइजी है। हमने बहुत सारी गलतियां की हैं लेकिन आपको इससे सीख लेनी होगी और मज़बूत होकर वापसी करनी होगी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया में सीओए नियुक्त किया

नयी दिल्ली, 25 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने खेल संहिता के उल्लंघन के कारण हॉकी इंडिया के रोजमर्रा के कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (सीओए) को सौंपी दी। उच्च न्यायालय का यह आदेश पूर्व भारतीय खिलाड़ी असलम शेर खान की याचिका पर आया है जिन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा को हॉकी इंडिया का आजीवन सदस्य नियुक्त किए जाने को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि खेल संहिता के अंतर्गत हॉकी इंडिया का बत्रा को 'आजीवन सदस्य' और एलेना नोर्मन को सीईओ नियुक्त करना अवैध था।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से संबंधित उच्चतम न्यायालय के मामले का संदर्भ लेते हुए उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एआर दवे की अगुआई में प्रशासकों की समिति का गठन किया जिसके सदस्य पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान जफर इकबाल होंगे।

उच्च न्यायालय ने कहा, "यह जनहित में होगा कि इसके (हॉकी इंडिया के) कामकाज का संचालन प्रशासकों की समिति (सीओए) को सौंप दिया जाए जैसा उच्चतम न्यायालय ने 18 मई 2022 को एक अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघ अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के मामले में निर्देश दिया था।"

न्यायमूर्ति नजमी वजीरी और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने अपने आदेश में कहा, "प्रतिवादी नंबर दो (हॉकी इंडिया) का प्रशासनिक ढांचा, आजीवन अध्यक्ष और आजीवन सदस्यों के कारण गलत और अवैध ढंग से गठित है।" उन्होंने कहा, "भारत सरकार ऐसे राष्ट्रीय खेल महासंघ को मान्यता नहीं दे सकती जिसका संविधान खेल संहिता के अंतर्गत नहीं हो।

राष्ट्रीय खेल महासंघ में आजीवन अध्यक्ष, आजीवन सदस्य के पद अवैध हैं और साथ ही प्रबंधन समिति में सीईओ का पद भी। इन पद को हटाया जाता है।" हॉकी इंडिया ने कहा कि हॉकी इंडिया के संविधान/ 'मेमोरेंडम आफ एसोसिएशन' से इस तरह के सभी संदर्भों को हटाया जाएगा।

दूसरे कार्यकाल के लिये चुनाव नहीं लड़ूंगा : बत्रा

नयी दिल्ली, 25 मई। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने बुधवार को उच्च न्यायालय के हॉकी इंडिया में उनके पद को 'अवैध'

घोषित करने बाद घोषणा की कि वह राष्ट्रीय खेल संस्था के लिये होने वाले चुनावों में शीर्ष पद के दूसरे कार्यकाल के लिये नहीं लड़ेंगे। बत्रा ने 2017 में हॉकी इंडिया के प्रतिनिधि (आजीवन सदस्य) के तौर पर आईओए पद के लिये नामांकन भरा था और आईओए अध्यक्ष चुने गये थे। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायायल ने बुधवार को बत्रा के हॉकी इंडिया में पद को 'अवैध' घोषित किया क्योंकि यह राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप नहीं था।

पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य असलम शेर खान ने बत्रा की हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के तौर पर नियुक्ति पर चुनौती देते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। आईओए के एक सूत्र ने कहा कि 2017 में चुनावों में नामांकन पत्र दाखिल करते हुए बत्रा को हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के तौर पर शामिल किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटों के भीतर ही बत्रा ने बयान जारी किया कि वह आईओए चुनाव में दूसरे कार्यकाल के लिये नहीं लड़ेंगे।

बत्रा ने बयान में इस बात का जिक्र नहीं किया कि उन्होंने आईओए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है या नहीं। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के प्रमुख के तौर पर और अधिक समय देने की आवश्यकता है। आईओए के चुनाव पिछले साल दिसंबर में कराये जाने थे लेकिन अदालत में लंबित मामले के कारण इन्हें रोक दिया गया था।

आईओए अध्यक्ष पद से हटाये गये बत्रा

नयी दिल्ली, 25 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय के हॉकी इंडिया में 'आजीवन सदस्य' पद को अवैध घोषित किये जाने के बाद अनुभवी खेल प्रशासक नरिंदर बत्रा को बुधवार को भारतीय ओलंपिक संघ में शीर्ष संस्था का चुनाव लड़ा और जीता था। आईओए के सीनियर उपाध्यक्ष अनिल खन्ना को कार्यवाहक प्रमुख बनाया गया है। बत्रा ने आईओए पद का अपना नामांकन हॉकी इंडिया के (आजीवन सदस्य) प्रतिनिधि के तौर पर ही भरा था उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद आईओए ने एक बयान जारी कर कहा कि खन्ना अब संस्था के कार्यवाहक प्रमुख होंगे।बयान के अनुसार, "इस फैसले के अनुसार बत्रा को आईओए अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। बत्रा को हटाने से आईओए के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना होंगे जो आईओए के सीनियर उपाध्यक्ष भी हैं। "

ब्रिटेन ने चेल्सी की बिक्री को मंजूरी दी

लंदन, 25 मई। ब्रिटिश सरकार ने रूसी व्यवसाई रोमन अब्रामोविच के चेल्सी फ़ुटबॉल क्लब को टॉड बोएहली को बेचने के फैसले को मंज़ूरी दे दी है। खलीज टाइम्स के अनुसार सरकार को यह सुनिश्चित करना था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संबंध रखने के लिये प्रतिबंधित अब्रामोविच को इस बिक्री से फ़ायदा नहीं हो रहा। 19 साल पहले अब्रामोविच ने चेल्सी को ख़रीदा था और उनके निवेश के कारण ही यह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे सफ़ल क्लबों में से एक बन पाया था।

प्रीमियर लीग की मंज़ूरी मिलने के बाद फीफा क्लब विश्व कप और 2021 यूरोपीय चैम्पियन चेल्सी को 2.5 अरब पाउंड (3.1 अरब डॉलर) में बेचा जाएगा। मार्च में अब्रामोविच की संपत्ति फ्रीज़ होने के बाद से चेल्सी सरकारी लाइसेंस पर संचालित हो रहा है जो 31 मई को समाप्त होने वाला है। रूस के यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू करने के बाद क्लब को खरीदने के लिये कई दावेदार सामने आये थे, और लॉस एंजलिस डॉजर्स के मालिक टॉड बोएहली को चेल्सी का नया मालिक बनने के लिये 1.75 अरब पाउंड (2.2 अरब डॉलर) का निवेश सुनिश्चित करना था।

चेल्सी ने इस महीने की शुरुआत में ही बोएहली, डॉजर्स के दूसरे मालिक मार्क वॉल्टर और स्विस अरबपति हांसहोर्ग विस के संकाय के साथ सौदा करने का निर्णय ले लिया था। पिछले 19 सालों में अब्रामोविच के स्वामित्व के दौरान चेल्सी प्रशंसक ठाठदार खर्च के आदी हो गये हैं। पुरुष टीम को 21 ट्रॉफियां जिताने वाली टीम पर अब तक कुल एक अरब डॉलर ख़र्च किया गया है।

श्रीलंका पहली पारी में बांग्लादेश से 83 रन पीछे

ढाका, 25 मई। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (80), एंजेलो मैथ्यूज (नाबाद 58) और धनंजय डीसिल्वा (58) के शानदार अर्धशतकों से श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तीसरे दिन बुधवार को अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 282 रन बना लिए और वह बांग्लादेश के 365 रन के स्कोर से 83 रन पीछे है। श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर 143 रन से आगे खेलना शुरू किया और स्टंप्स तक तीन विकेट गंवाकर अपना स्कोर 282 रन पहुंचा दिया। करुणारत्ने 70 रन से आगे खेलते हुए 80 रन बनाकर शाकिब अल हसन की गेंद पर बोल्ड हुए। मैथ्यूज ने 153 गेंदों पर नाबाद 58 रन में चार चौके और एक छक्का लगाया जबकि डिसिल्वा ने 95 गेंदों पर 58 रन में नौ चौके लगाए। स्टंप्स के समय मैथ्यूज के साथ दिनेश चांदीमल 10 रन बनाकर क्रीज पर थे। बांग्लादेश की तरफ से शाकिब ने तीन और इबादत हुसैन ने दो विकेट लिए।

बेंगलुरु के खिलाफ होगी राहुल की असली परीक्षा : मोहम्मद कैफ

मुम्बई, 25 मई। भारत के पूर्व बल्लेबाज़ मोहम्मद कैफ़ का मानना है कि लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल की फॉर्म की असली परीक्षा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में होगी। लखनऊ और बेंगलुरु बुधवार को ईडन गार्डन में आईपीएल 2022 एलिमिनेटर में एक दूसरे का सामना करेंगे।

राहुल ने आईपीएल 2022 में दो शतक और तीन अर्धशतक की बदौलत 48.82 की औसत से 537 रन बनाए हैं। राहुल ने इस सीज़न में बेहतरीन बल्लेबाज़ी की है मगर उनके सभी शतक और अर्धशतक पहली पारी में आये हैं।

कैफ़ ने राहुल की बल्लेबाज़ी का विश्लेषण करते हुए कहा, मेरे हिसाब से केएल राहुल कप्तानी पारी खेलना चाहते हैं और वह अपने ऊपर बहुत ज़्यादा दबाव ले लेते हैं। अगर आप फॉर्म में हैं तो आपको लक्ष्य का पीछा करते हुए भी वैसे ही बल्लेबाज़ी करनी चाहिये जैसी आप पहले बल्लेबाज़ी के दौरान हुए करते हैं। डि कॉक आपके साथ खेल रहे हैं और उनका काम आक्रामक खेल दिखाना है, लेकिन आपका काम आखिरी ओवर तक खेलना है।

राहुल चेज़ करते हुए दबाव में दिखते हैं। इस वजह से कई बार आउट भी हुए हैं, लेकिन वह एक शानदार बल्लेबाज़ हैं। उनके पास फॉर्म है, संयम है और वह अंत तक खेलना जानते हैं। वह हर दिशा में शॉट मार सकते हैं। वह भले ही शुरू में समय लेते हैं लेकिन उन्हें मैच ख़त्म करना आता है। कैफ़ ने कहा कि आज के मैच में लखनऊ की जीत उनके कप्तान पर निर्भर करेगी। सुपरजायंट्स के पास कई ऑलराउंडर हैं, जिससे उन्हें बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी में गहराई उपलब्ध हो जाती है। इसपर चर्चा करते हुए कैफ़ ने कहा कि इसी कारण से लखनऊ की गेंदबाज़ी बेंगलुरु से बेहतर है। उन्होंने कहा, मूल रूप से, लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर है और आरसीबी काफी कमजोर है।

मोहम्मद सिराज पिछले मैच में बाहर हो गए और उनकी जगह सिद्धार्थ कौल आए और उन्होंने 4 ओवर में 40 रन दिए, जो काफी महंगा है। ईडन गार्डन्स की पिच पर हेजलवुड के अलावा आरसीबी की गेंदबाजी काफी कमजोर है। लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर है, इसलिए आरसीबी को अपनी बल्लेबाजी से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ज्यादा छक्के लगाने होंगे तभी आज का मैच जीत पाएंगे। यह एक बड़ी लड़ाई है !

आर्थिक संकट के कारण श्रीलंका-ऑस्ट्रेलिया मुकाबलों का समय बदला गया

कोलंबो, 25 मई। श्रीलंका में चल रहे आर्थिक संकट के कारण अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सफेद बॉल मुकाबलों के समय में बदलाव किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई अखबार सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने बुधवार को बताया कि ईंधन की कमी के कारण सात से 24 जून तक श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले तीन टी20 और पांच एकदिवसीय मुकाबलों को दिन में आयोजित किया जाएगा। यह फैसला इसलिये लिया गया है ताकि फ्लडलाइट्स के प्रयोग से बचा जा सके।

श्रीलंका क्रिकेट ग्राउंड की लाइट जनरेटर की सहायता से जलती हैं, और हालांकि देश में ईंधन की खेप कुछ समय पहले ही पहुंची है, अधिकारियों ने फैसला किया है कि दुर्लभ संसाधनों का फिलहाल प्रयोग करना उचित नहीं है। अखबार ने बताया कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक इसकी घोषणा नहीं की है।

गत चैम्पियन जोकोविच तीसरे दौर में

पेरिस, 25 मइ। गत चैम्पियन नोवाक जाकोविच ने बुधवार को यहां आसान जीत से फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के पुरूष एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सर्बिया के शीर्ष वरीय जोकोविच ने एलेक्स मोलकान को 6-2, 6-3, 7-6 से शिकस्त दी।

वहीं जर्मनी के तीसरे वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रोलां गैरां में पदार्पण कर रहे अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज को 2-6, 4-6, 6-1, 6-2, 7-5 से हराया। महिलाओं के वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त मारिया सकारी दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गयीं। वह पिछले साल यहां सेमीफाइनल तक पहुंची थीं।

सकारी को चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने 7-6, 7-6 से पराजित किया जिससे शीर्ष चार वरीय महिलाओं में से दो खिलाड़ी शुरूआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं। 81वीं रैंकिंग की खिलाड़ी मुचोवा ने 2021 आस्ट्रेलियन ओपन में तब की नंबर एक खिलाड़ी एश बार्टी को हराया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त और गत चैम्पियन बारबोरा क्रेजसिकोवा सोमवार को बाहर हो गयी थीं। अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ ने बेल्जियम की एलिसन वान उयतवांक को 6-1, 7-6 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। गॉफ पिछले साल यहां क्वार्टरफाइनल में पहुंची थीं जो उनका मेजर टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ नतीजा भी है।

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका ने दूसरे दौर में आंद्रिया पेतकोविच को 6-1, 7-6 से हराया। बेलारूस की 15वीं वरीय अजारेंका ने मुकाबले के दौरान 13 सहज गलतियां कीं जबकि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी 42 सहज गलतियां कर बैठीं। अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडूकानू दूसरे दौर में बेलारूस की एलियाकसांद्रोवा सासनोविच से हारकर बाहर हो गयीं। सासनोविच ने 19 वर्षीय राडूकानू पर 3-6, 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की।

रामकुमार की ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में पहली जीत, फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में

पेरिस, 25 मई। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने अमेरिकी खिलाड़ी हंटर रीस के साथ मिलकर बुधवार को यहां फ्रेंच ओपन की पुरूष युगल स्पर्धा में डेनियल अल्टमेयर और ऑस्कर ओटे की जर्मनी जोड़ी को हराकर ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रा में पहली जीत दर्ज की। रामकुमार ग्रैंडस्लैम के एकल मुख्य ड्रा में जीत दर्ज करने के कई प्रयास कर चुके हैं, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली है। पर उन्होंने रीस के साथ मिलकर क्ले कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के पुरूष युगल के शुरूआती दौर में अपने प्रतिद्वंद्वियों को 7-6, 6-3 से हरा दिया। सत्ताईस वर्षीय भारतीय ने हमवतन रोहन बोपन्ना के साथ मिलकर एडिलेड में पहला एटीपी टूर खिताब और फिर पुणे में टाटा ओपन महाराष्ट्र में ट्राफी जीतकर इस साल के शुरू में युगल रैंकिंग के शीर्ष 100 में जगह बनायी थी।

महिला वनडे चैम्पियनशिप के अगले चक्र में कोई भारत-पाक मुकाबले नहीं

दुबई ,25 मई। आईसीसी ने 2022-2025 के महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और आयरलैंड को नौवीं और दसवीं टीम के रूप में चुना है और साथ ही यह भी घोषणा की है कि इस चक्र में भारत और पकिस्तान के बीच कोई मुक़ाबले नहीं होंगे। इस महिला चैंपियनशिप के आधार पर शीर्ष की छह टीमों को 2025 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में स्थान मिलेगा। यह महिला चैंपियनशिप का तीसरा चक्र होगा और इसके अंतर्गत अगले तीन सालों में सभी टीमें कुल आठ तीन मैच के सीरीज़ खेलेंगी जिनमें आधे घर पर होंगे और आधे विदेश में। इस चक्र के अंत में पांच शीर्ष टीमों के साथ अगले विश्व कप के मेज़बान को डायरेक्ट एंट्री मिलेगी। इस मेज़बान का अभी चयन नहीं हुआ है। बाक़ी की चार टीमों को आईसीसी रैंकिंग के 11वें और 12वें स्थान की टीमों के साथ क्वालिफ़ायर खेलने होंगे जहां से दो और टीमों को विश्व कप में जगह मिलेगी। पाकिस्तान के चक्र में पहला विपक्षी है।

2007-08 में मैं अनिल कुंबले के भरोसे पर खरा उतरना चाहता था : सहवाग

नयी दिल्ली, 25 मई। 2007 में भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद वापसी करने पर वीरेंद्र सहवाग ने इस बात का श्रेय 2007 से 2008 में कप्तान रहे अनिल कुंबले को दिया। साथ ही सहवाग के अनुसार 2008 में ऑस्ट्रेलिया में हुए विवाद के बाद हरभजन सिंह के करियर को बचाने में भी कुंबले का बहुत बड़ा हाथ था।

स्पोर्ट्स18 पर सहवाग ने बताया कि जब उन्होंने जनवरी 2007 में अपना 52वां टेस्ट खेला तब उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि अगले टेस्ट तक उन्हें एक साल का इंतज़ार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, अचानक से टेस्ट टीम का हिस्सा ना बनना मेरे लिए दुःखदाई बात थी। मुझे उस समय ड्रॉप नहीं किया गया होता तो मैं 10,000 से अधिक टेस्ट रन बना सकता था।

जब भारत 2007-08 में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो रहा था तब सहवाग को टीम में शामिल करने पर कुंबले पर कुछ सवाल ज़रूर उठे थे। उन्होंने पहले दो टेस्ट मैच भी नहीं खेले लेकिन उसके बाद पर्थ टेस्ट से पहले कैनबरा में एक अभ्यास मैच था जहां कुंबले ने सहवाग के सामने यह प्रस्ताव रखा कि अगर वह उस मैच में 50 बनाते हैं तो उन्हें पर्थ टेस्ट में चुना जाएगा। सहवाग ने इस अभ्यास मैच में लंच से पहले ही शतक दे मारा। कुंबले ने शर्तानुसार सहवाग को पर्थ टेस्ट में रखा हालांकि उन्होंने एडिलेड में आख़िरी टेस्ट में 63 और 151 रनों की पारियां खेली।

सहवाग ने याद किया, वह 60 रन मेरे जीवन के सबसे कठिन रन थे। मुझे अनिल भाई के भरोसे पर खरा उतरना था। मैं नहीं चाहता था कि कोई उनके मुझे ऑस्ट्रेलिया लाने के फ़ैसले पर उंगलियां उठाए। भारत के दूसरी पारी में मैच बचाने वाली 151 रनों की अपनी पारी पर सहवाग ने कहा, मैं स्ट्राइकर छोर पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। दूसरे छोर पर मैं अंपायर से बातचीत करता और कभी गाने गुनगुनाने लगता। इस प्रकार मुझपर कोई दबाव नहीं पड़ा। सहवाग ने कहा कि इस मैच के बाद कुंबले ने उन्हें वादा किया कि उनकी कप्तानी में उनकी टेस्ट टीम में जगह सुनिश्चित होगी। सहवाग ने कहा, एक खिलाड़ी को अपने कप्तान से ऐसे ही आत्मविश्वास की उम्मीद रहती है। यह पहले सौरव गांगुली और फिर कुंबले से मिली।

सहवाग ने कुंबले की तारीफ़ में हरभजन सिंह और एंड्रयू साइमंड्स के बीच हुए क़िस्से के बाद उनके व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, अगर अनिल भाई कप्तान नहीं होते तो शायद दौरा रद्द हो जाता। और तो और शायद हरभजन सिंह के करियर को भी बचाना असंभव होता।

कुंबले की कप्तानी में सहवाग ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद सात टेस्ट खेले जिनमें उनका औसत 62 का था और उन्होंने अपने करियर का सर्वाधिक 319 नाबाद भी इस दौरान बनाए और साथ ही श्रीलंका में एक मैच-जिताऊ 201 नाबाद भी बनाए। कुंबले के अंतिम टेस्ट में उन्होंने गेंद से अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए एक पारी में 104 रन देकर पांच विकेट भी लिए।

गुजरात टाइटंस में मुझे सभी का समर्थन और खेलने का मौका मिला : डेविड मिलर

कोलकाता, 25 मई। डेविड मिलर टी20 क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते चले आ रहे हैं। एक ऐसे फ़िनिशर की भूमिका जो गेंदबाज़ी ही नहीं करता। इस शैली के खिलाड़ियों को सफलता से अधिक निराशा हाथ लगती है। आपको विश्लेषकों को प्रभावित करने वाले बड़े रन बनाने का मौक़ा नहीं मिलता है। और तो और अगर आप विदेशी लीग में खेलते हैं, तो एकादश में स्थान बनाना कठिन हो जाता है। मिलर ने अपने पूरे करियर और विशेष रूप से अपनी पिछली फ्रैंचाइज़ी में, जिसे हराकर उन्होंने आईपीएल 2022 के फ़ाइनल में जगह बनाई, इस बात को क़रीब से देखा है। इस सीज़न की शुरुआत से पहले मिलर ने क्रिकइंफ़ो के मैट रोलर को बताया था कि एक मुश्किल रोल में लगातार नहीं खेल पाना कितना निराशाजनक था।

विलियमसन और पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा

मुम्बई, 25 मई। आईपीएल का हर सीज़न कुछ न कुछ मुश्किलें लेकर आता है लेकिन इस बार इस सीज़न में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। सनराइज़र्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन और मुम्बई इंडियंस के आल राउंडर कीरोन पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। विलियम्सन इस सीज़न महज़ 19 के औसत और 93.5 के स्ट्राइक रेट से 216 रन ही बना पाए। जो कि बतौर सलामी बल्लेबाज़ यह आईपीएल के किसी भी सीज़न में न्यूनतम है।

हरियाणा ने सब-जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी में 18 पदकों पर कब्जा सुनिश्चित किया

बेल्लारी (कर्नाटक), 25 मई। हरियाणा के 18 मुक्केबाजों ने अपने सनसनीखेज प्रदर्शन को जारी रखते हुए कर्नाटक के बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में जारी 2022 सब-जूनियर गर्ल्स एंड बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश करने के साथ अपने लिए कम से कम इतने ही कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिए।

प्रतियोगिता के 14 भार वर्गों में से हरियाणा की लड़कियों ने 10 श्रेणियों में और लड़कों ने आठ वर्गों में सेमीफाइनल सीट आरक्षित करने में कामयाबी हासिल की। सोनिका और अंशु ने हरियाणा के लिए जारी वर्चस्व की लड़ाई का नेतृत्व किया। इन दोनों ने लड़कियों के 38 किग्रा भार वर्ग और 40 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में क्रमशः दिल्ली की महेक वर्मा और मध्य प्रदेश की हिमानी को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया। आरजू (42 किग्रा), जोनी (44 किग्रा) और पायल (46 किग्रा) ने भी इसी तरह के अंतर से जीत हासिल कर आगे का टिकट कटाया जबकि दीप्ति (48 किग्रा), भूमिका (50 किग्रा), हंसिखा (60 किग्रा) और लक्ष्य (63 किग्रा) ने आरएससी के आधार पर जीत दर्ज की।

साक्षी को लड़कियों के 36 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में दिल्ली की ख्याति पंवार के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि वह 3-2 के अंतर से जीत दर्ज करने में सफल रहीं। लड़कों के वर्ग में, महेश ने 46 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में पश्चिम बंगाल के एसके आर्यन के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। विनीत कुमार (40 किग्रा), पीयूष (49 किग्रा), योगेश डंडा (52 किग्रा), लोकेश (64 किग्रा), जितेश सांगवान (67 किग्रा), यश कुमार (70 किग्रा) और पर्यास (70 किग्रा) ने भी आराम से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एलीट पुरुष वर्ग में मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने सब-जूनियर वर्ग में भी अपना दबदबा जारी रखा।

उसके 10 मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।मानशु ने एसएससीबी के लिए आक्रामक शुरुआत करते हुए 35 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में राजस्थान के चंदन सैनी के खिलाफ आरएससी के आधार पर जीत हासिल की। इसी तरह, हर्ष (37 किग्रा), आकाश बधवार (40 किग्रा), प्रियांशु (43 किग्रा), मौसम सुहाग (46 किग्रा), देवांग (55 किग्रा), जशनदीप (58 किग्रा), नकुल शर्मा (61 किग्रा), प्रशांत (64 किग्रा) और हार्दिक पंवार (70 किग्रा) ने भी अगले दौर का टिकट कटाया।